Statement

Year	Items	Quantity in M. Tons	Value in Crores
1992-93 . .	Cloves	220.00	Rs. 0.58
	Cinamon	429.00	Rs. 1.10
	Cardamon	105.00	Rs. 0.47
	Mace	NIL	NIL
	Cuminseed	545.00	Rs. 2 07
	Ginger	NIL	NIL
	Pepper	NIL	NIL
1993-94 . .	Cloves	11256.00	Rs. 6.77
	Cinamon	140.00	Rs. 0.71
	Cardamon	294.00	Rs. 1.67
	Mace	37.00	Rs. 0.16
	Cuminseed	114.00	Rs. 0.85
	Ginger	NIL	NIL
	Pepper	470.00	Rs. 1.19
1994-95 . .	Cloves	1594.887	Rs. 52.73
	Cinamon	518.775	Rs. 2.56
	Cardamon	55.075	Rs. 0.65
	Mace	110.382	Rs. 0.42
	Cuminseed	134.618	Rs. 1.01
	Ginger	1429.552	Rs. 3.95
	Pepper	405.373	Rs. 1.93

चाय का आयात

*652. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल**
श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वर्ष 1993–94 और 1994–95 के दौरान कुल कम्पनियों को चाय का आयात करने की अनुमति प्रदान की थी ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण थे ; और

(ग) उन भारतीय कम्पनियों का ब्यौरा क्या है, जिन्होंने उपर्युक्त अवधि में चाय का आयात किया था तथा यह आयात किन-किन देशों से किया गया था ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) से (ग) चाय के आयात की अनुमति केवल निर्यात अभिमुख एककों, निर्यात संसाधन क्षेत्रों की इकाइयों तथा आयात-निर्यात नीति की शुल्क मुक्त योजना के अन्तर्गत दी जाती है। ऐसे आयातों को पुनः निर्यातों के लिए अनुमति भारतीय चायों के साथ मिश्रण करने के बाद दी जाती है। इस प्रकार के आयातों की अनुमति देते समय सरकार यह सुनिश्चित करने

के लिए पर्याप्त सावधानी बरतती है कि इन आयातों से घरेलू चाय उद्योग पर कुप्रभाव न पड़े तथा इससे विश्व बाजार में भारतीय चायों की छवि भी खराब न होने पाए।

वर्ष 1993-94 तथा 1994-95 के दौरान चाय के वास्तविक आयात के कम्पनीवार ब्यौरे उपलब्ध नहीं है। ऐसी कम्पनियों द्वारा चाय के आयातों के स्रोत ऐसे अलग-अलग एककों के वाणिज्यिक निर्णय पर निर्भर करते हैं; जो चाय का आयात करते हैं। तथापि, उपर्युक्त अवधि से नवम्बर, 1994 के दौरान भारत में चाय के कुल आयात निम्नानुसार रहे हैं:—

वर्ष	मात्रा मी० टन में	मूल्य करोड़ रु० में
1993-94	870	3.99
1994-95 (नवम्बर, 94 तक)	130	0.71
		(स्रोत : डी० जी०सी०आई० एण्ड एस० के आंकड़े)

आयातों के लिए मूल देश : इण्डोनेशिया, बांगला देश, केन्या और नेपाल हैं।

Expansion of rubber cultivation in Tripura

*653. SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of COMMERCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 2048 given in the Rajya Sabha on the 27th March, 1995 and state:

(a) what measures Government contemplate for expansion of rubber cultivation in the 31313 ha. which is available for additional rubber cultivation in Tripura;

(b) whether it is a fact that given the backwardness and poor infrastructure available with the State, the realisation of such good possibilities for the expansion of rubber cultivation is possible only if daily consumer need based local industry is set up;

(c) if so, whether Government envisage in public sector an investment in this regard; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) In order to expand the rubber cultivation in Tripura, an area of 5000 ha. is proposed to be brought under World Bank Assisted Rubber Project (for 1993-94 to 1997-98). Out of this 5000 ha., about 2000 ha. has already been brought under plantation and remaining 3000 ha will be covered during next three years (i.e. 1995-96 to 1997-98). In addition to this, an area of 2500 ha. is also proposed to be brought under rubber cultivation in Tripura under various schemes outside the World Bank Assisted Project. The Rubber Board in collaboration with the Govt. of Tripura is implementing various rubber-based settlement projects for the shifting cultivators. The Board also implements Rubber Plantation Scheme where various kinds of subsidies are provided to the growers.

(b) No, Sir.

(c) and (d) Do not arise.

Supply of Covered Wagons instead of open Box Wagons by Railways to CIL

*654. SHRI JIBON ROY: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Railway Ministry supplied covered Wagons against the demand for open Box Wagons by Coal India Ltd.;